4.2.1 ग्रन्थालय में पूर्ण रूप से स्वयं प्रवृतः ग्रन्थालय प्रबन्धन प्रणाली का उपयोग किया जाता है –

Integrated library Management System – ILMS

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के दिव्य और भव्य परिसर में संस्कृत विद्या, प्राकृत, पालि, भाषा, ज्ञान, कला, पाण्डुलिपि, हस्त लिखित ग्रन्थों के संरक्षण के लिए सरस्वती भवन नामक पुस्तकालय में ग्रन्थों, पुस्तकों, पाण्डुलिपियों, हस्तलिखित प्राचीन लिपियों आदि के द्वारा सुशोभित और सुसज्जित पुस्तकालय है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के स्थापना से पहले ही 1791 ई0 में स्थापित संस्कृत पाठशाला के साथ ही संस्कृत विश्वविद्यालय के सरस्वती भवन पुस्तकालय की स्थापना हुई।

सरस्वती भवन पुस्तकालय के दो अनुभाग हैं –

(1) मुद्रित अनुभाग

(2) हस्तलिखित अनुभाग।

मुद्रित ग्रन्थों की संख्या – **243905** है और पाण्डुलिपियों की संख्या – **111132** है तथा वर्तमान में **94567** पाण्डुलिपियां संरक्षित की गयी है। दुलर्भ पाण्डुलिपियों के संरक्षण के लिए निरन्तर यह पुस्तकालय सन्नद्ध है। दीर्घकाल के तक संरक्षण के लिए पारम्पारिक उपाय के साथ–साथ आधुनिकतम तकनीकों वाले उपाय से समन्वित सुन्दर प्रयास चल रहा है। पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग रूप महत्वपूर्ण कार्य इन्दिरा गॉधी कला केन्द्र नई दिल्ली के द्वारा कुछ वर्ष पूर्व ही सम्पादित किया गया।

1. वर्तमान समय में पुस्तकालय में Integrated library Management System – ILMS चल रहा है।
2. कुछ वर्ष पूर्व यू0जी0सी0 इनफ्लिबनेट केन्द्र, अहमदाबाद, गुजरात के द्वारा विकसित Soul Software (V.1.1) यन्त्र स्थापित है। उसमें वर्ष 2002 से वर्ष 2004 तक 10 हजार मुद्रित ग्रन्थों के ग्रन्थ परक सूचनाओं को निवेशित किया गया है। यद्यपि यह देवनागरी लिपिवद्ध ग्रन्थों के लिए उपयुक्त नही था, इसलिए परियोजना के कार्यावधि समाप्त होने पर कार्य अवरूद्ध हो गया।
3. इस पुस्तकालय में Overhead Scanner यन्त्र । कम्प्यूटर यंत्र, लैपटाप, फोटो कापी यंत्र, प्रिन्टर आदि विविध यन्त्र है।
4. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के इनफ्लिबनेट गॉधी नगर, गुजरात इसके साथ एम0ओ0यू0 किया गया। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यावारिधि शोध प्रबन्ध शोध गंगा नाम के पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। बहुत से शोध प्रबन्धों को अपलोड किया गया है।

5. इसी के अन्तर्गत Inflibnet (गुजरात) और मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा urkund (a completely automated system against plagiarism-Anti plagiarism software) प्रदान किया गया है। इससे साहित्यिक चोरी शोध प्रबन्धनों मे रोकने का सार्थक प्रयास किया गया है।
6. अन्य अन्य यन्त्रों की भी व्यवस्था परिसर में विद्यमान है।
7. छात्र, अध्यापकों के अध्ययन तथा शोध कार्य करने के लिए बहुत मात्रा में सीटों की व्यवस्था भी पर्याप्त रूप से है।
8. छात्र, अध्यापकों के लिए ग्रन्थ अध्ययन की आवश्यकता होती है। पुस्तकालय में ग्रन्थों की प्रदान व आहरण की व्यवस्था कार्डों के माध्यम से पुस्तकालय में अच्छी प्रकार से संचालित होती है।
9. विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में अध्ययन के लिए कक्षों की सन्तोषजनक व्यवस्था है तथा विविध शोध पत्र, समाचार, संस्कृत हिन्दी आंगल भाषा के पत्र–पत्रिकाओं के वाचन करने हेतु एक कक्ष की अलग व्यवस्था है।
10. मुख्य पुस्तकालय तथा सरस्वती भवन पुस्तकालय के अतिरिक्त सभी विभागों में भी पुस्तकालयों का संचालन होता है। जिसमें छात्र, अध्यापक निरन्तर अध्ययन करते है।

पुस्तकालय प्रबन्धन प्रणाली –

विश्वविद्यालय में पूर्व से ही एक पुस्तकालय प्रबन्धन प्रणाली चालू है तथा नवीन प्रबन्धन प्रणाली का संरक्षण कार्य निरन्तर प्रगतिशील है और शीघ्र ही कार्य पूर्ण हो जायेगा।

4.2 शिक्षणसंसाधणरूपेण ग्रन्थालयः

4.2.1 ग्रन्थालयः पूर्णरूपेण स्वयंप्रवृत्तः यत्र समन्वितग्रन्थालयः प्रबन्धप्रणाली उपयुज्यते। (ILMS)

Integrated Library Management System

श्री सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य दिव्यभव्यपरिसरे संस्कृतविद्या-प्राकृत-पाली-भाषा-ज्ञान-कला-पाण्डुलिपि-हस्तलिखितग्रन्थाणां संरक्षणाय सरस्वतीभवनपुस्तकालयाख्ये ग्रन्थपुस्तकपाण्डुलिपि-हस्तलिखितप्राचीनलिप्यादिभिः सुशोभितः सुसज्जितः पुस्तकालयः वर्ततेः। सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य स्थापनया प्रागैव 1791 ई. संस्थापितसंस्कृतपाठशालया सहैव संस्कृतविश्वविद्यालयस्य सरस्वतीभवनपुस्तकालयस्य स्थापना जाता।

सरस्वतीभवनपुस्तकालयस्य द्वौऽनुभागौ स्तः- 1. मुद्रितानुभागः 2. हस्तलिखितानुभागश्च।

मुद्रितग्रन्थानां संख्या – 2,43,905, पाण्डुलिपीनां संख्या – 1,11,132, अधुना कतिपयानाख्येयकारणेन 94,567 पाण्डुलिपयः संरक्षिता सन्ति। दुर्लभानां पाण्डुलिपीना संरक्षणार्थं सतत सन्नद्धोऽयं पुस्तकालयः। सुदीर्घकालपर्यन्तं संरक्षणार्थं पारम्परिकोपायैः सह आधुनिकतमतकनीकोपायैः समन्वितसाधुशोभनं प्रयासकार्यं प्रचलति। पाण्डुलिपीनां माइक्रोफिल्मिंगरूपमहत्त्वपूर्णकार्यं इन्दिरागांधीकलाकेन्द्रनईदिल्ली द्वारा कतिपयवर्षेभ्यः पूर्वं सम्पादितमस्ति।

1. वर्तमानसमये पुस्तकालये Integrated Library Management System-ILMS प्रचलन्नस्ति।
2. कतिपयवर्षपूर्वं यू.जी.सी. के इनफ्लिबनेट केन्द्र, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा विकसितं Soul Software (V.1.1) यन्त्रं स्थापितमस्ति। तस्मिन् 2002 वर्षतः 2004 वर्षपर्यन्तम् दससहस्रमुद्रितग्रन्थानां ग्रन्थपरकसूचनानिवेशिताऽस्ति। यद्यपीदं देवनागरी लिपिनिबद्धग्रन्थानां कृते उपयुक्तं नासीत् तथा परियोजना कार्यावधिसमाप्तिप्रकारेण कार्यमवरुद्धमस्ति।
3. पुस्तकालयेऽस्मिन् Overhead Scanner यन्त्र-संगणकयन्त्र-जंगमसंगणकयंत्र (Laptop) प्रतिलिपियन्त्र (Photocopy Machine) प्रिन्टरादिविविधानि यन्त्राणि सन्ति।

4. श्रीसम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य Inflibnet गांधीनगर गुजरात-इत्यनेन सह MOU कृतमस्ति। तन्माध्यमेन विश्वविद्यालयस्य विद्यावारिधिशोधप्रबन्धाः शोधगङ्गाख्योपार्टले उपारोप्यन्ते upload कियन्ते। बहवः शोधप्रबन्धाः तत्र उपारोपिताः जाताः।
5. अस्यैव अन्तर्गतं Inflibnet (गुजरात) तथा मानवसंसाधनविकासमंत्रालय द्वारा Urkund (a completely automated system against plagiarism-Anti plagiarism software) नामकं यन्त्रं प्रदत्तं अस्ति। तेन साहित्यिकचौर्यं (Plagiarism) परीक्ष्य शोधप्रबन्धस्य प्रामाणिकता निरूप्यते।
6. अन्यान्यछात्रोपयोगियन्त्राणां व्यवस्था वर्तते।
7. छात्राध्यापकानां अध्ययनशोधकार्यकरणार्थं प्रभूतोपवेशन व्यवस्था-आसन्दीकादीनां व्यवस्था वर्तते।
8. छात्राध्यापकानां कृते ग्रन्थानामध्ययनस्य व्यवस्था वर्तते। पुस्तकालयकार्डमाध्यमेन ग्रन्थानां प्रदानाहरणव्यवस्थाऽपि सुष्ठुरूपेणप्रचलति।
9. अत्र विश्वविद्यालयपुस्तकालयस्ये अध्ययन कक्षानां प्रभूतव्यवस्था वर्तते। तत्र विविधशोधपत्र-समाचारपत्र-संस्कृत-हिन्दी-आंग्लभाषा-पत्रपत्रिकानां व्यवस्थाऽस्ति।
10. मुख्य पुस्तकालय- सरस्वती भवनातिरिक्तः सर्वेषु विभागेषु सम्यकपुस्तकालयो वर्तते येषां प्रयोगं छात्राध्यापकारः अनवरतं कुर्वन्ति।

पुस्तकालय प्रबन्धन- प्रणाली- विश्वविद्यालये पूर्वत एव शोभनः पुस्तकालय प्रबन्धन प्रणाली अस्ति। नवीन प्रबन्धन प्रणाल्याःसंरक्षण कार्यं प्रचलन् अस्ति। शीघ्रमेव भविष्यत्येव।

25-2-24

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

4.2.1 – 4.2.6

• Key Indicator – 4.2 Library as a Learning Resource (20)

4.2.1 – Presently the Saraswati Bhawan Library of the SSVV, Varanasi is not using any new automated Integrated Library Management System (ILMS), in place of previously installed SOUL Software –

Name of the ILMS Software – SOUL Software
Nature of automation – Partially
Version – V2.1
Year of automation – 2002

In collaboration with the INFLIBNET Centre of the UGC, Govt. of India, the SOUL Software was installed in the Saraswati Bhawan Library in the year 2002 and bibliographic data of 10000 printed books are recorded in the SOUL Software up to the year 2004. This bibliographic data of 10000 printed books can be accessed by the Sanskrit scholars and students through the National Book Database of the Inflibnet Centre, – www.inflibnet.ac.in. This Software was discontinued in the Saraswati Bhawan Library of the SSVV, Varanasi due to certain elements, etc.

D.K. Tiwari
27-09-2021

4.2.1 समन्वयात्मक महोदय

UGC, Inflibnet Centre, Ahmadabad के SOUL Software द्वारा वर्ष 2002 से 2004 तक कुल- 10000 मुद्रित ग्रन्थों के ग्रन्थपरक सूचनाओं को निवेशित किया गया है, जिसका एक CD- पुस्तकालय में उपलब्ध है।

DK Tiwari
06/08/2023
Asstt. Librarian

6.8.23

पुस्तकाध्यक्ष
सरस्वती भवन पुस्तकालय
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय